

मसाबारण

EXTRAORDINARY

भाग II — जण्ड 🗸

PART II—Section 4

प्राचिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹• 15]

नई दिल्ली, मंगलवार, प्रश्तुबर 29, 1968/कार्तिक 7, 1890

No. 15]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 29, 1968/KARTIKA 7, 1890

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रक्ता जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th August 1968

- S.R.O. 16E.—In exercise of the powers conferred by section 184 of the Navy Act. 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations 1964, namely:—
- 1. These regulations may be called the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellancous (Fifth Amendment) Regulations 1968.
- 2. In the Naval Ceremonial, Conditions of Service and Miscellaneous Regulations 1964, in Regulation 247, in the proviso to sub-regulation (3),—
- (i) for clauses (a), (b) and (c), the following clauses shall be substituted, namely:—
 - "(a) Chief Engine-Room Artificers, Chief Ordnance Artificers, Chief Electrical Artificers, Chief Shipwright Artificers, Chief Aircraft Artificers, Chief Mechanicians, Chief Aircraft Mechanicians and Chief Electrical Mechanicians shall rank and command over all other ratings of these eight branches. "Chief" ratings within one of these branches shall rank and command between themselves according to seniority in "Chief" rating. "Chief" ratings of two or more of these branches shall rank and command between themselves by seniority as Chief Petty Officer. Where "Chief" ratings of any of these eight branches are together with Chief Petty Officers of other branches they will rank and command according to seniority as Chief Petty Officer.

- (b) Engine-Room Artificers, Ordnance Artificers, Electrical Artificers Shipwright Artificers and Aircraft Artificers of a particular class shall rank and command over all Engine-Room Artificers, Ordnance Artificers, Electrical Artificers, Shipwright Artificers and Aircraft Artificers of a lower class. Within one of these branches, sailors of the same class shall rank and command according to their seniority in that class.";
- (ii) chause (d) shall be relettered as clause (c)

[Case No. RP/1451/61-68/NHQ/D(N-II).]
S. P. SRINIVASAN, Jt. Secy.

रका मंत्रालय

ग्र**विस्**चना

नई विरुली, 13 ध्रगस्त, 1968

एस॰ धार॰ धार॰ धार॰ 16 ई .— नौसेना अधिनियम, 1957 (1957 का 62) की घारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के कार्यान्वय में केन्द्रीय सरकार एतव् द्वारा नौसेना समारोह, धेवा के उपबन्ध तथा विनियमों, 1964 को और प्रागे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है, प्रयात :—

- 1 इन विनियमों को नौसेना समारोह, सेवा के उपबन्ध तथा विविधि (प्रांचवा संप्रोधन) विनियम 1968 के नाम से जाना जाय।
- 2. नौसेना समारोह, सेवा के उपबन्ध तथा विविध विनियम 1964 में विनियम 247 में उप-विनियम (3) के उपबन्ध में—-
 - (i) (क), (ख) श्रीर (ग) धाराश्रों के स्थान पर निम्नलिखित द्याराए प्रतिस्थापित की जायं, श्रर्थात् :—
 - (क) चीफ़ इंजन रूम श्राटिफिसरों, चीफ़ श्राडेंनेन्स ग्राटिफिसरों, चीफ़ इलैंक्ट्रिकल श्राटिफिसरों, चीफ़ शिपराइट श्राटिफिसरों, चीफ़ ए रिकाफ्ट ग्राटिफिसरों, चीफ़ पैकेनीशियनों तथा चीफ़ इलैंक्ट्रीकल में हैनी-शियनों का रैंक तथा कमांड इन श्राठ श्रान्चों के श्रन्य सभी नौसैनिकों सा उत्तर रहेगा । इनों से जिसी भी एक श्रान्च के भीतर चीफ नौसैनिकों का रैंक तथा कमांड श्रापस में "चीफ़" नौसैनिक के रूप में वरीयता के श्रनुतार होगा दो या दो से श्रिधिक श्रान्चों के "चीफ" नौसैनिकों का रैंक तथा कमांड श्रापस में चीफ़ पैटी श्रफसर के रूप में वरीयता के श्रनुसार होगा । जां इन ग्राठ श्रान्चों में से किसी श्रान्च के भी "चीफ़" नौसेनिक किसी श्रन्य शांच के चीफ पैटी श्रफसरों के साथ हों वहां उनका रैंक तथा कमांड चीफ़ पैटी श्रफसर के रूप में वरीयता के श्रनुसार होगा ।
 - (ख) किसी विशेष श्रेणी के इंजन-रूम आर्टिफिसरों, आर्डनेन्स आर्टिफिसरों, इले-क्ट्रिकल आर्टिफिसरों, शिपराइट आर्टिफिसरों तथा एयर काक्ट आर्टिफिसरों का रैंक तथा कमोड निम्न श्रेणी के समस्त इंजन-रूम आर्टिफिसरों, आर्डनेन्स

मार्टिफिसरों, इलैक्ट्रिकस मार्टिफिसरों, सिपराइट मार्टिफिसरों तथा एयर काफ्ट मार्टिफिसरों से कपर रहेगा । इनमें से किसी भी एक बान्त के भीतर एक बेणी के नौसै निकों का रैंक तका कमाइ उस श्रेणी में उनकी बरीयला के मनुसार होगा ।

(ii) धारा (घ) के स्थान पर (ग) लिख|**दी बांग ।**[केस सं॰ प्राय० पी॰/1451/61-68/एन॰ एच॰ क्यू॰/ दी॰ (फ्न॰-II).]
एस॰ पी॰ श्रीनिवासन,
संगुक्त सक्वित ।